नईदुनिया

ममता बनर्जी ने कार्यकर्ताओं को मारे थप्पड़, टीएमसी रैली में हंगामा

नईदुनिया ब्यूरो, कोलकाता: पश्चिम बंगाल के कोलकाता में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस की रैली के दौरान हंगामा हो गया। टीएमसी कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा समर्थकों ने रैली पर अंडे फेंके। रैली जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास के बाहर पहुंची तो स्थिति बिगड़ गई। घटना से नाराज ममता बनर्जी ने अव्यवस्था को लेकर तीन कार्यकर्ताओं को थप्पड़ जड़ दिए। यह रैली बारुईपुर में 11 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या के विरोध में निकाली गई थी। टीएमसी ने उच्च न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद रैली आयोजित की थी। इस दौरान कई स्थानों पर टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच बहस और झड़प हुई। पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने रैली में बाधा डालने की कोशिश की और महिला कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि विवाद की शुरुआत टीएमसी कार्यकर्ताओं ने की थी।

हरदीप सिंह निज्जर हत्या मामले में आरोपपत्र दाखिल, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का दावा

लॉरेंस बिश्नोई पर अमेरिका में हत्या का मामला, गोल्डी बराड़ पर इनाम घोषित

नईदुनिया ब्यूरो, जालंधर: कनाडा में खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में अमेरिका ने पहली बार आरोपपत्र दाखिल किया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, हत्या का आदेश भारतीय जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई और फरार गोल्डी बराड़ ने दिया था। अमेरिका का आरोप है कि लॉरेंस बिश्नोई जेल में रहते हुए भी अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क संचालित कर रहा था।

अमेरिकी सरकार के अनुसार, लॉरेंस बिश्नोई जेल में मोबाइल फोन और इंटरनेट कॉलिंग उपकरणों के माध्यम से हत्या, रंगदारी, अपहरण, मादक पदार्थों की तस्करी और मानव तस्करी जैसी गतिविधियों को निर्देशित करता था। अमेरिका ने उसके नेटवर्क पर कार्रवाई के लिए अभियान हार्ड बॉल चलाया है।

इस अभियान के तहत 24 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 37 लोगों के खिलाफ अमेरिकी संघीय न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया गया है। अमेरिकी एजेंसियां 10 फरार आरोपियों की तलाश कर रही हैं। गोल्डी बराड़ पर 50 हजार डॉलर का इनाम घोषित किया गया है।

अमेरिकी आरोपपत्र में भारत सरकार, अनुसंधान एवं विश्लेषण विंग, राष्ट्रीय जांच एजेंसी या किसी भारतीय सरकारी अधिकारी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है। कार्रवाई केवल कथित आपराधिक गिरोहों और उनके सदस्यों के खिलाफ की गई है। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, 18 जून 2023 को कनाडा में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आदेश लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ ने दिया था। आरोपपत्र में यह भी कहा गया है कि गिरोह संदेश भेजने वाले सुरक्षित माध्यमों के जरिए धमकी देकर रंगदारी वसूलते थे और मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े थे।

इस कार्रवाई में बिश्नोई गिरोह के अलावा जग्गू भगवानपुरिया गिरोह और रविंदर सिंह ढांडा नेटवर्क पर भी शिकंजा कसा गया है। इन पर हत्या, हथियारों की तस्करी, रंगदारी और मादक पदार्थों से जुड़े अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। अमेरिका अन्य देशों के सहयोग से इन आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई जारी रखे हुए है।

नेविगेशन प्रणाली में खराबी की सूचना के बाद टूटा संपर्क, पांच सदस्य थे सवार

कार्गो विमान लापता, अरब सागर में डूबने की आशंका, तलाश के लिए टीमें तैनात

कराची, एजेंसी: पाकिस्तान का एक कार्गो विमान मंगलवार रात कराची पहुंचने से पहले लापता हो गया। विमान शारजाह से कराची आ रहा था और उसमें पांच चालक दल के सदस्य सवार थे। पाकिस्तान विमानपत्तन प्राधिकरण के अनुसार, रात 9 बजकर 18 मिनट पर पायलट ने हवाई यातायात नियंत्रण को नेविगेशन प्रणाली में खराबी की जानकारी दी थी। नियंत्रण कक्ष ने विमान को दिशा देने का प्रयास किया, लेकिन करीब तीन मिनट बाद विमान से संपर्क टूट गया।

अधिकारियों के अनुसार, विमान को अंतिम बार कराची से करीब 155 समुद्री मील यानी 287 किलोमीटर पश्चिम में देखा गया था। विमान के लापता होने के बाद अरब सागर में बड़े स्तर पर खोज और बचाव अभियान शुरू किया गया है। पाकिस्तान नौसेना, वायुसेना और अन्य एजेंसियां अभियान में जुटी हुई हैं। हालांकि, अभी तक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने या किसी व्यक्ति के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

पाकिस्तान विमानपत्तन प्राधिकरण ने बताया कि विमान के लापता होने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। विमान और उसमें सवार पांचों सदस्यों की स्थिति को लेकर भी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। शुरुआती उड़ान आंकड़ों के अनुसार, विमान ने अंतिम समय में पहले ऊंचाई खोई, फिर कुछ ऊपर गया और इसके बाद तेजी से नीचे आया। हालांकि, विमान के समुद्र में गिरने की आशंका की पुष्टि नहीं हुई है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि केवल इंजन में खराबी आती है तो विमान कुछ दूरी तक हवा में रह सकता है। इतनी तेजी से नीचे आने की स्थिति सामान्य नहीं मानी जाती। इसकी वास्तविक वजह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

लापता विमान कराची स्थित निजी कार्गो विमान कंपनी के2 एयरवेज का बताया जा रहा है। कंपनी की शुरुआत मई 2018 में हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, हादसे का शिकार हुआ 27 वर्ष पुराना बोइंग 737 विमान वर्ष 2024 में कंपनी के बेड़े में शामिल किया गया था। यह कंपनी का एकमात्र विमान था और इसकी पिछली उड़ान 28 जून को हुई थी।

के2 एयरवेज ने कहा है कि वह पाकिस्तान नागरिक उड्डयन प्राधिकरण और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ जांच तथा खोज अभियान में पूरा सहयोग कर रही है।

नेविगेशन प्रणाली विमान को निर्धारित मार्ग पर उड़ाने में पायलट की सहायता करती है। इसके माध्यम से विमान की स्थिति, दिशा, ऊंचाई और उड़ान मार्ग की जानकारी मिलती है। इसमें उपग्रह आधारित प्रणाली, आंतरिक दिशा प्रणाली, रेडियो संकेत और अन्य उपकरणों का उपयोग किया जाता है।

नेविगेशन प्रणाली में खराबी आने पर पायलट सबसे पहले हवाई यातायात नियंत्रण को सूचना देता है। इसके बाद वैकल्पिक प्रणाली और अन्य उपकरणों की मदद से उड़ान जारी रखने का प्रयास किया जाता है। यदि संचार व्यवस्था भी खराब हो जाए या अन्य तकनीकी समस्या सामने आए तो स्थिति गंभीर हो सकती है।

इससे पहले मई 2020 में पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा का यात्री विमान कराची में दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। हादसे में 97 लोगों की मौत हुई थी। जांच में पायलट, सह-पायलट और हवाई यातायात नियंत्रण की मानवीय चूक को दुर्घटना का कारण बताया गया था।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल का आवास बनेगा राज्य अतिथि गृह

- दिल्ली सरकार की तैयारी, मंत्री और अधिकारी ठहर सकेंगे
- रखरखाव में लगे हैं कर्मचारी, सरकार विकसित करेगी नई व्यवस्था

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास रहे सिविल लाइंस स्थित फ्लैगस्टाफ रोड के बंगले को राज्य अतिथि गृह में बदलने की तैयारी की जा रही है। दिल्ली सरकार इस प्रस्ताव को जल्द मंजूरी देने की प्रक्रिया में है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, बंगला नंबर छह को अन्य राज्य अतिथि गृहों की तरह विकसित किया जाएगा।

प्रस्ताव के अनुसार, यहां बाहर से आने वाले मंत्री और सरकारी अधिकारी ठहर सकेंगे। इसके लिए शुल्क लेने की व्यवस्था भी की जाएगी। बंगले में पार्किंग, प्रतीक्षा कक्ष और अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित करने की योजना है। हालांकि, प्रस्ताव को अभी उच्च स्तर से अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। पूर्व मुख्यमंत्री का यह आवास वर्तमान में खाली है। इसके रखरखाव के लिए करीब 10 कर्मचारी तैनात हैं, जो साफ-सफाई के साथ वहां लगे उपकरणों की देखभाल कर रहे हैं। केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते इस बंगले के नवीनीकरण को लेकर विवाद हुआ था। भाजपा ने इसके महंगे नवीनीकरण को लेकर इसे 'शीशमहल' नाम दिया था।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट में भी बंगले के नवीनीकरण पर हुए खर्च का उल्लेख किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, शुरुआत में काम की अनुमानित लागत करीब 7.91 करोड़ रुपये थी, लेकिन अंतिम खर्च बढ़कर 33.66 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

बद्रीनाथ चढ़ावा विवाद में निलंबित निजी सचिव पर मुकदमा दर्ज

सीएम धामी ने जांच समिति बनाई, 15 दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश

नईदुनिया ब्यूरो, चमोली: बद्रीनाथ धाम के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के मामले में पहली आपराधिक कार्रवाई की गई है। मंदिर अधिकारी युद्धवीर पुष्पवान की शिकायत पर निलंबित निजी सचिव प्रमोद नौटियाल के खिलाफ बद्रीनाथ थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित की है। समिति को 15 दिन के भीतर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पवित्र स्थानों पर इस तरह का कृत्य गंभीर अपराध है और इसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चढ़ावा विवाद की शुरुआत दो जुलाई की सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद हुई थी। इसमें चढ़ावा गणना केंद्र से मंदिर की राशि को नियमों के विपरीत ले जाने के आरोप लगाए गए थे। इसके बाद भैरव सेना ने बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को शिकायत देकर जांच की मांग की थी।

प्रारंभिक जांच में प्रथम दृष्टया अनियमितता के संकेत मिलने के बाद प्रमोद नौटियाल को सात जुलाई को निलंबित किया गया था। उन्हें कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया। जांच समिति अब बद्रीनाथ मंदिर परिसर के 32 सीसीटीवी कैमरों की करीब 40 दिन की रिकॉर्डिंग की जांच करेगी। इसके अलावा चढ़ावा गणना व्यवस्था, संबंधित अभिलेखों और पिछले 10 से 12 वर्षों में समिति को मिले उपकरणों तथा अन्य संपत्तियों की भी जांच की जाएगी। मामले को उजागर करने वाले भैरव सेना के अध्यक्ष संदीप खत्री को पुलिस ने देहरादून स्थित कार्यालय में कुछ समय के लिए नजरबंद भी किया था।

राष्ट्रपति जिनपिंग ने बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए

चीन : टाइफून मेसाक का कहर बाढ़ और बवंडर से 21 की मौत

बीजिंग, एजेंसी: चीन में टाइफून मेसाक ने दक्षिण और मध्य हिस्सों में भारी तबाही मचाई है। गुआंग्शी प्रांत में अचानक आई बाढ़ और हुबेई प्रांत में आए दुर्लभ बवंडर के कारण अब तक कम से कम 21 लोगों की मौत हो चुकी है। हजारों लोग घरों की छतों और ऊंचे स्थानों पर फंसे हुए हैं।

गुआंग्शी में रविवार से शुरू हुई तेज बारिश के बाद कुछ ही घंटों में बाढ़ का पानी घरों की पहली मंजिल तक पहुंच गया। नदियां उफान पर आ गईं और कुछ बांधों को भी नुकसान पहुंचा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार करीब 60 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि लगभग 90 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। हुबेई प्रांत में तूफान के प्रभाव से बने दो बवंडरों ने भारी नुकसान किया। तेज हवाओं से इमारतों के शीशे टूट गए और कई लोग मलबे से घायल हुए। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। मौसम विभाग ने सप्ताह के अंत तक सुपर टाइफून बावी के चीन के पूर्वी तट से टकराने की चेतावनी दी है।

टेल्सट्रा नेटवर्क ठप, 12 घंटे बाधित रहीं सेवाएँ

सिडनी, एजेंसी: ऑस्ट्रेलिया की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी टेल्सट्रा के नेटवर्क में बुधवार तड़के आई तकनीकी खराबी के कारण देशभर में मोबाइल कॉल और डेटा सेवाएं करीब 12 घंटे तक प्रभावित रहीं। इस दौरान रेल सेवाओं, डिजिटल भुगतान व्यवस्था और आपातकालीन कॉल पर भी असर पड़ा। कंपनी ने बताया कि यह घटना साइबर हमले के कारण नहीं हुई, बल्कि सिडनी और मेलबर्न स्थित डेटा केंद्रों में समय निर्धारण सर्वर से जुड़े सॉफ्टवेयर में आई खराबी के कारण नेटवर्क बाधित हुआ। करीब 12 घंटे बाद सेवाएं पूरी तरह बहाल हो सकीं। नेटवर्क बाधित रहने के दौरान कुछ आपातकालीन कॉल भी जुड़ नहीं सकीं। कंपनी ने प्रभावित लोगों की जानकारी लेकर उनकी सुरक्षा की जांच कराई। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने घटना को बेहद चिंताजनक बताया। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई संचार एवं मीडिया प्राधिकरण मामले की जांच करेगा। नेटवर्क बंद होने से विक्टोरिया में सभी क्षेत्रीय रेल सेवाएं रद्द करनी पड़ीं, जबकि न्यू साउथ वेल्स में भी कई रेल सेवाएं प्रभावित हुईं। माल ढुलाई सेवाओं पर भी इसका असर पड़ा।

गुरुग्राम की बिजली व्यवस्था अब अडानी कंपनी के हाथ में

- निजीकरण के समर्थन में 70 प्रतिशत लोगों की राय सामने आई

नईदुनिया ब्यूरो, चंडीगढ़: हरियाणा में पहली बार गुरुग्राम की बिजली वितरण व्यवस्था में निजी क्षेत्र की बड़ी भागीदारी का रास्ता खुलता दिखाई दे रहा है। अडानी समूह की बिजली वितरण कंपनी ने गुरुग्राम में बिजली आपूर्ति के लिए लाइसेंस प्राप्त करने हेतु हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग में आवेदन किया है। यह आवेदन विद्युत अधिनियम 2003 की धारा-14 और वितरण लाइसेंस नियमों के तहत दाखिल किया गया है। आयोग में हुई सुनवाई के दौरान प्राप्त सुझावों में करीब 70 प्रतिशत लोगों ने निजी कंपनी के माध्यम से बिजली वितरण का समर्थन किया है। सुनवाई के दौरान एक अन्य कंपनी इलेवन ने भी गुरुग्राम और नूंह में 4716.73 करोड़ रुपये के निवेश की योजना की जानकारी दी है। अब इस मामले में अंतिम निर्णय हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग द्वारा लिया जाएगा। गौतम अडानी की प्रमुख बिजली वितरण और पारेषण कंपनी अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड है। इसके अलावा मुंबई में बिजली वितरण का कार्य अडानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड द्वारा किया जाता है।

धार्मिक यात्रा सितंबर से जारी होंगे परमिट, ओल्ड लिपुलेख से होंगे दर्शन...

कैलाश पर्वत दर्शन करने श्रद्धालुओं को करना होगा दो माह इंतजार

नईदुनिया ब्यूरो, पिथौरागढ़: तिब्बत स्थित पवित्र कैलाश पर्वत के भारत से दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं को अभी करीब दो महीने और इंतजार करना होगा। फिलहाल आंतरिक सीमा परमिट जारी नहीं किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन के अनुसार, सितंबर के आसपास परमिट प्रक्रिया शुरू होने के बाद आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित ओल्ड लिपुलेख से कैलाश पर्वत के दर्शन कर सकेंगे।

इस वर्ष यात्रा सत्र की शुरुआत में बड़ी संख्या में श्रद्धालु ओल्ड लिपुलेख पहुंचकर कैलाश पर्वत के दर्शन कर चुके हैं। बाद में खराब मौसम और सुरक्षा कारणों से सेना ने क्षेत्र में आवाजाही पर अस्थायी रोक लगा दी थी। प्रशासन और सेना के बीच समन्वय के बाद सीमित संख्या में यात्रियों को अनुमति दी गई, लेकिन वर्तमान में परमिट बंद होने से सामान्य श्रद्धालु वहां नहीं जा पा रहे हैं।

ओल्ड लिपुलेख चीन सीमा के पास समुद्र तल से करीब 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह अत्यधिक ऊंचाई वाला क्षेत्र है, जहां मौसम तेजी से बदलता रहता है। बादल और घना कोहरा होने पर कैलाश पर्वत दिखाई नहीं देता। यहां तक सड़क पहुंच चुकी है, लेकिन अंतिम स्थान तक पहुंचने के लिए करीब 300 मीटर की खड़ी चढ़ाई पैदल करनी पड़ती है। कई बार ऑक्सीजन की कमी और कठिन रास्ते के कारण यात्रियों को पैदल दूरी तय करनी पड़ती है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन और सेना से सभी पात्र श्रद्धालुओं को ओल्ड लिपुलेख तक जाने की अनुमति देने की मांग की है। उनका कहना है कि इससे सीमांत क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। पिछले वर्ष इस सुविधा का करीब 10 हजार श्रद्धालुओं ने लाभ उठाया था।

ओल्ड लिपुलेख का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि श्रद्धालु भारत की सीमा में रहकर ही तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत के दर्शन कर सकते हैं। कैलाश पर्वत को भगवान शिव का निवास माना जाता है और जैन, बौद्ध तथा बोन धर्मों में भी इसका विशेष धार्मिक महत्व है।

पारंपरिक कैलाश-मानसरोवर यात्रा के लिए श्रद्धालुओं को तिब्बत जाना पड़ता है, जिसके लिए पासपोर्ट और वीजा की आवश्यकता होती है। वहीं ओल्ड लिपुलेख से केवल कैलाश पर्वत के दर्शन किए जा सकते हैं। इसके लिए पासपोर्ट और वीजा की जरूरत नहीं होती।

पहली बार 3 अक्टूबर 2023 को भारतीय सीमा से कैलाश पर्वत के दर्शन हुए थे। पिथौरागढ़ जिले की व्यास घाटी स्थित ओल्ड लिपुलेख दर्रे से श्रद्धालुओं ने पहली बार कैलाश के दर्शन किए थे। उत्तराखंड पर्यटन विभाग, सीमा सड़क संगठन और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की संयुक्त पहल के बाद यह सुविधा शुरू की गई थी।